

इंजीनियरिंग शिक्षा में प्रोजेक्ट बेस्ड लर्निंग है महत्वपूर्ण

इंजीनियरिंग सबसे प्रचलित कोर्स में से एक है। स्टूडेंट्स के भविष्य को सफल बनाने और करियर को निखारने में यह क्षेत्र महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। संस्थानों में कराए जाने वाला इस कोर्स में टीचर्स द्वारा प्रोजेक्ट बेस्ड लर्निंग का सहारा लिया जा रहा है। भारत समेत विदेश की कई टॉप यूनिवर्सिटीज अपने करिकुलम में यह कोर्स शामिल कर रही हैं जिससे स्टूडेंट्स को सफल इंजीनियर्स बनाया जा सके।

इंजीनियरिंग शिक्षा में आए परिवर्तन

सभी कॉलेज व शैक्षणिक संस्थानों में इंजीनियरिंग शिक्षा देने के लिए पहले के दिनों में जहां टीचर सेंट्रिक ब्रॉडकास्ट अप्रोच अपनाई जाती थी, टीचर को नॉलेज देने का उचित स्रोत माना जाता था और उनकी दिशा निर्देश में स्टूडेंट्स निगमनात्मक रीजनिंग स्किल्स विकसित कर पाते थे साथ ही नॉलेज बेस्ड लर्निंग हासिल करके नए कॉन्सेप्ट्स को समझ पाते थे अब यह ट्रेडिशनल अप्रोच इंजीनियरिंग क्षेत्र में सफलता दिलाने में महत्वपूर्ण नहीं रही है। शैक्षणिक संस्थानों में इंजीनियरिंग क्षेत्र में ऐसी शिक्षा अपनाई जा रही है जिससे स्टूडेंट बदलती दुनिया के लिए तैयार हो सके, नई चीजों के लिए प्रयत्न कर सके, किताबों की प्रोब्लम्स को सोल्व करने के साथ-साथ खुद की समस्याओं की व्याख्या कर सकें और इनोवेटिव विचार सामने लेकर आ सकें।

प्रोजेक्ट वर्क, लेबोरेटरी वर्क, वर्क ओरिएंटेड लेक्चर्स जैसी लर्नर सेंट्रिक प्रक्रिया स्टूडेंट्स को पहले जहां सबसे ज्यादा प्रभावी शैक्षणिक अनुभव देती थी, वहीं आजकल पुराने एजुकेशन सिस्टम को बदलने के लिए शिक्षा में प्रोजेक्ट बेस्ड लर्निंग और इन्वॉयरी बेस्ड लर्निंग का सहारा लिया जा रहा है जिससे स्टूडेंट्स इंजीनियरिंग के नए कॉन्सेप्ट्स से परिचित हो सकें।

संस्थानों में प्रोजेक्ट बेस्ड लर्निंग पर अधिक महत्व

के लिए
दी जी को
के लिए

भारत में इंजीनियरिंग कराने वाले अधिकतर कॉलेज में कई बदलाव आए हैं। करिकुलम में प्रोजेक्ट बेस्ड लर्निंग का सहारा लिया जा रहा है जिससे छात्र व छात्राओं को इंडस्ट्रियल प्रोजेक्ट्स पर कार्य करने का अनुभव प्राप्त हो सके। इंजीनियरिंग के क्षेत्र में स्टूडेंट्स को प्रोजेक्ट बेस्ड लर्निंग देने के लिए संस्थानों में ऐसी शैक्षणिक अप्रोच अपनाई जा रही है जो चार प्रमुख मार्गदर्शक सिद्धांतों पर आधारित है - प्रोजेक्ट, पैशन, प्ले, पीयर। ऐसे प्रोजेक्ट्स में शामिल होकर स्टूडेंट्स डिजाइन प्रोसेस, सिस्टम थिंकिंग अप्रोच को समझ पाते हैं साथ ही टीम के साथ काम करना और कई अन्य तरह के कार्यों को करना सीख पाते हैं। प्रोजेक्ट बेस्ड लर्निंग में अपनाई जाने वाली रोट लर्निंग प्रक्रिया में एप्लिकेशन इंजीनियरिंग पर अधिक महत्व दिया जाता है।

भारत के
के लिए
आभार।

टीचर्स के लिए प्रोजेक्ट बेस्ड लर्निंग के इन मूल तत्वों पर ध्यान देना महत्वपूर्ण

भारत के
के लिए
आभार।

विश्वविद्यालयों में टीचर्स को इंजीनियरिंग क्षेत्र के लिए प्रोजेक्ट बेस्ड लर्निंग के मूल तत्वों को महत्व देना जरूरी है। प्रॉब्लम डिजाइनिंग में प्रोजेक्ट्स की डिजाइनिंग ऐसी होनी चाहिए जिसमें एक्टिव, इन डेपथ प्रोसेस

शामिल हो जिससे स्टूडेंट्स नए प्रश्नों को तैयार कर सकें और रिसोर्सेज का सहारा लेकर खुद के उत्तर को तैयार कर सकें। अध्यापकों को पढ़ाने की प्रक्रिया में एनालिसिस, सिंथेसिस जैसी रिसर्च बेस्ड लर्निंग का सहारा लेना चाहिए जिससे छात्र व छात्राएं विषय की विस्तृत जानकारी लेकर

इंजीनियरिंग के पहलुओं से परिचित हो सकें। इसके अलावा टीचर्स के लिए लॉगबुक, इन्फ्रीमेंट ओरिएंटेड डेवलपमेंट अप्रोच, कोलेबोरेटिव लर्निंग को पढ़ाने की प्रक्रिया में अपना बहुत महत्वपूर्ण है।

संजय गोयल, डायरेक्टर, जे के लक्ष्मीपत यूनिवर्सिटी, जयपुर

JK LAKSHMIPAT UNIVERSITY

HIGHER EDUCATION UPGRADED

Personalised Career Planning

Generous Scholarships

Critical Thinking & Leadership

100% Placement Assistance

Global Faculty

Electives in Design, Tech & Liberal Arts

ADMISSIONS OPEN for UG, PG and PhD Programmes

ENGINEERING	MANAGEMENT
B.Tech Computer Science & Engg Concentrations: Data Science Big Data & Analytics Robotic Process Automation Cloud Computing Mobile Computing Information Security Artificial Intelligence Electrical & Electronics Engg Concentrations: Embedded Systems & IoT Power Systems Digital Systems Communications Mechanical Engg Concentrations: Automation & Robotics Automobile Civil Engg Concentrations: Construction Structures Environment	BBA Concentrations: Entrepreneurship Banking & Finance MBA Concentrations: Marketing Finance General Management HR MA Public Policy MSc Applied Economics Data Analytics PhD Management (various disciplines)
M.Tech Data Science Embedded Systems & IoT Automation & Robotics Health, Safety & Environment PG Diploma (1 Year) Data Science Embedded Systems & IoT PhD Engineering (various disciplines)	DESIGN B.Des Product Design Interaction Design Interdisciplinary Design

Recent Recruiters: Britannia | JK Organisation | JCB | Daikin | Max Group | Moglix | Yes Bank | Johnson & Johnson | Encore Capital Group | Jaro Education | Swiggy | Nerolac Paints | JK Tyre | TCS | SOTI | Samarth Life | Mahindra & Mahindra | HP | OYO Rooms | Future Group | JustDial | BYJU's | Zycus | Asahi India Glass | JK Fenner | Thrillophilia | Info Edge | IndiaMART | Apollo Munich | IBM | WIPRO | AU Finance Bank | JK Lakshmi Cement | TATA Consulting Engineers | Netmeds | Bosch | eSPAN Infra | Airports Authority of India | Bonn | Hitachi | HashedIn | NIC | Maruti | Medanta | Nirma | L&T

International Collaborations with World-Leading Institutions

APPLY NOW
 Call @ +91 830 222 3344
 admissions@jkl.edu.in

Call now for upto 100% Scholarship!

www.jkl.edu.in | A UGC recognised university established in 2011 by an Act of the Rajasthan State Legislature

A philanthropic initiative of the 125-year-old JK Organisation